माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus) परीक्षा 2025

कक्षा-12वीं

विषयः- संगीत (कंठ संगीत, स्वर वाद्य, ताल वाद्य, नृत्य) (16)

इस विषय में दो प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक की परीक्षा होगी। परीक्षार्थी को दोनों पत्रों में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3:15	24	6	30
प्रायोगिक	30 मिनट प्रति छात्र	70	0	70

नोट :–

1 परीक्षार्थी को कण्ठ संगीत, स्वरवाद्य संगीत, ताल वाद्य संगीत एवं नृत्य में से कोई एक विषय लेना है। सैद्धान्तिक एवं क्रियात्मक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2 प्रत्येक विषय को विषय कोड आवंटित है, जिसे कोष्ठक में दर्शाया गया है।

(अ) कण्ठ संगीत–गायन (16)

(ब) स्वर वाद्य संगीत –सितार (65)/सरोद (66)/वायलिन (67)/दिलरूबा अथवा इसराज (68)/ बांसुरी (69)/गिटार (70)

(स) ताल वाद्य संगीत– तबला (63)/पखावज (64)

(द) नृत्य–कथक (59)

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र		अंकभार
1.	सैद्धान्तिक–	(1) परिभाषाएँ, पद्धतियाँ, ग्रन्थ अध्ययन, समय सिद्धांत, घराने एवं जीवन परिचय	16
		(2) राग, ताल एवं वाद्य परिचय, रागों एवं तालों को लिपिबद्ध करना।	08
2.	प्रायोगिक–	(1) विभिन्न गायन शैलियों का गायन।	50
		(2) हाथ से ताल लगाना।	10
		(3) सुगम संगीत एवं राग पहचानना।	10

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)	अंकभार
1.	निम्नलिखित की परिभाषाएँ (i) अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, वर्ण, ग्राम, मूर्च्छना, गमक, आलाप, तान। (ii) भारत में प्रचलित संगीत पद्धतियों (उत्तरी व दक्षिणी) की सामान्य जानकारी।	04
2.	(अ) संगीत ग्रंथों का अध्ययन : (i) भरत कृत नाट्यशास्त्र, (ii) शारंगदेव कृत संगीत–रत्नाकर, (iii) भातखण्डे कृत श्री मल्लक्ष्य संगीतम्। (ब) रागों का समय सिद्धांत	04
3.	(अ) घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन– ग्वालियर घराना, किराना घराना एवं जयपुर घराना। (ब) तानपुरे की सम्पूर्ण जानकारी (सचित्र)	04

(अ) कण्ठ संगीत– गायन (सैद्धान्तिक)

समय : 3.15 घण्टे

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र			अंकभार
1.	सैद्धान्तिक–	(i)	परिभाषाएँ, पद्धतियाँ, ग्रन्थ अध्ययन, समय सिद्वांत, घराने एवं जीवन परिचय	16
2.		(ii)	राग, ताल एवं वाद्य परिचय, रागों एवं तालों को लिपिबद्ध करना।	08
	प्रायोगिक–	(3)	विभिन्न गायन शैलियों का गायन।	50
		(4)	हाथ से ताल लगाना।	10
		(5)	सुगम संगीत एवं राग पहचानना।	10

BOARD ZONE

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)			अंकभार
1.	निम्नलिखित की परिभाषाएँ			04
	(i)	अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, वर्ण, ग्राम, मूर्च्छना, गमक, आलाप, तान।		
	(ii)	भारत में प्रचलित संगीत पद्धतियों (उत्तरी व दक्षिणी) की सामान्य जानकारी।		
2.	(अ)	संगीत ग्रंथों का अध्ययन :		04
		(i) भरत कृत नाट्यशास्त्र, (ii) शारंगदेव कृत संगीत–रत्नाकर,		
		(iii) भातखण्डे कृत श्री मल्लक्ष्य संगीतम्।		
	(ब)	रागों का समय सिद्धांत		
3.	(अ)	घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन– ग्वालियर घराना, किराना घराना एवं जयपुर घराना।		04
	(ब)	तानपुरे की सम्पूर्ण जानकारी (सचित्र)		
4.	(अ)	रागों का शास्त्रीय वर्णन : राग वृन्दावनी सारंग, राग बिहाग, राग मालकौंस, राग खमाज, राग भूपाली, राग भैरवी।		04
	(ब)	पाठ्यक्रमों की रागों को स्वर–समूह से पहचानना		
5.	(अ)	रागों की बन्दिशों को स्वरलिपि बद्ध करना।		04
	(ब)	तालों का परिचय देते हुए तालों को ठाह व दुगुन में लिपिबद्ध करना : झपताल, एकताल, चौताल, धमार, पंजाबी ताल, त्रिताल।		
6.	संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत जगत में योगदान :– (अ) मीराबाई (ब) महाराणा कुम्भा (स) कुमार गन्धर्व (द) उस्ताद अल्लादिया खां (ड) पं. जसराज			04

(अ) कण्ठ संगीत–गायन (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र — पूर्णांक : 70

इकाई	पाठ्य वस्तु			अंकभार
1.	(अ)	निर्धारित रागों– मालकौंस, वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली, खमाज और भैरवी में से किसी एक राग में विलम्बित (बड़ा) ख्याल एवं द्रुत ख्याल आलाप तानों सहित।		20
	(ब)	किन्हीं तीन रागों में स्वर मालिका		05
	(स)	किन्हीं दो रागों में छोटा ख्याल आलाप तानों सहित।		10
	(द)	किसी भी राग में तराना, ठुमरी, दादरा (कोई एक रचना)।		10
	(ड)	किसी भी राग में ध्रुपद अथवा धमार दुगुन सहित।		05

2.	ताल को हाथ से लगाते हुए ठेका एवं दुगुन– झपताल, एकताल, चौताल, धमार,ताल, पंजाबी ताल, त्रिताल।	10
3.	परीक्षक द्वारा प्रस्तुत की गई राग को पहचानना।	05
4.	राजस्थानी लोकगीत, भजन अथवा गजल।	05

नोट–बड़ा ख्याल–छोटा ख्याल, दो अन्य छोटे ख्याल, ध्रुपद –धमार हेतु अलग–अलग रागों का चयन करें।

(आ) स्वर वाद्य (सैद्धान्तिक)

सितार / सरोद / वॉयलिन / दिलरूबा–इसराज / बांसुरी / गिटार,

समय : 3.15 घंटा पूर्णांक 24

BOARD ZONE

		अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक	1.	परिभाषायें, पद्धतियां, ग्रंथ अध्ययन, समय सिद्धांत, घराने एवं जीवन परिचय।	**16**
	2.	राग, ताल, एवं राग परिचय एवं राग व तालों को लिपिबद्ध।	**08**
क्रियात्मक	1.	विभिन्न वादन शैलियों का वादन	**50**
	2.	हाथ से ताल लगाना।	**10**
	3.	ताल तथा राग पहचानना।	**10**

क्र.सं.		पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.		निम्न की परिभाषाएं–	04
	(i)	वर्ण, अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, जोड़ आलाप, तोड़ा, झाला, कृन्तन, जमजमा, मींड।	
	(ii)	भारत में प्रचलित संगीत पद्धतियों की सामान्य जानकारी।	
2.		निम्नलिखित ग्रन्थों का अध्ययन	04
	(i)	भरतकृत नाट्य शास्त्रशारंगदेव कृत : संगीत रत्नाकर भृतखंडे कृत : श्रीमल्लक्ष्य संगीतम्	
	(ii)	रागो का समय सिद्धांत	
3.		घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन	04
	(i)	इमदादखानी बाज, मैहर बाज, जाफरखानी बाज	
	(ii)	अपने चयनित वाद्य का सचित्र वर्णन	
4.		रागों का पूर्ण शास्त्रीय वर्णन	04
	(i)	मालकौंस, वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली, खमाज एवं भैरवी	
	(ii)	पाठ्यक्रम की रागों को स्वरसमूह द्वारा पहचानना।	
5.	(i)	तालों का परिचय देते हुए तालों को ठाह एवं दुगुन में लिखना। झपताल, एकताल, चौताल, धमार, पंजाबी ताल, त्रिताल।	04
	(ii)	रागों की मसीतखानी गत एवं रजाखानी गत को लिपिबद्ध करना।	
6.		संगीतज्ञों का पूर्ण जीवन परिचय – उस्ताद अली अकबर खाँ, विलायत खाँ, एन. राजम, विश्वमोहन भट्ट, हरिप्रसाद चौरसिया	04

(आ) स्वर वाद्य – क्रियात्मक

समय : 30 मिनट प्रति छात्र पूर्णांक : 70

क्र.सं.		अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	(i)	किसी एक राग में मसीतखानी व रजाखानी गत (तोड़े एवं झाला सहित)	20
	(ii)	पाठ्यक्रम में से कोई 3 रागों में रजाखानी गत 2–2 तोड़ों के साथ	15

2.	(i)	किसी एक लोकधुन को अपने वाद्य पर बजाना।	05
	(ii)	वाद्य पर प्रायोगिक प्रदर्शन– मींड, कृंतन, जमजमा	05
	(iii)	किन्ही दो रागों में जोड़ आलाप (बिन्दु–1 के अतिरिक्त)	05
3.		तालों का ठेका व दुगुन को हाथ पर लगाने का ज्ञान	10
4.		परीक्षक द्वारा गाये/बजाये गये रागों की पहचान करना।	05
5.		तबले पर बजाई जाने वाली तालों को पहचानना	05

(इ) ताल वाद्य

तबला/पखावज (सैद्धान्तिक)

समय : 3.15 घंटा पूर्णांक : 24

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक		
1.	विषय का तकनीकी एवं प्रायोगिक अध्ययन	13
2.	विषय का ऐतिहासिक एवं प्रान्तीय अध्ययन	08
3.	जीवन परिचय ज्ञान	03
क्रियात्मक		
1.	मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास का परीक्षण	35
2.	विषय की गहनता की जांच	20
3.	वाद्य तकनीक एवं संगीत अभ्यास	15

क्र.सं.		पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	(अ)	निम्न की परिभाषाएँ–जरब, क्रिया, पेशकार, रेला, मोहरा, उठान, चक्करदार तिहाई	04
	(ब)	लयकारियां– आड़, कुआड़, बिआड़	
2.	(अ)	तालों की तुलनात्मक अध्ययन 1.चौताल– एकताल 2. झपताल– सूलताल 3. दीवचंदी–झूमरा 4. रूपक, तीव्रा	06
	(ब)	पाठ्यक्रम की तालों का वर्णन व दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लिखना– रूपक, तीव्रा, दीपचंदी, झूमरा, पंजाबी, त्रिताल, तिलवाड़ा	
3.	(अ)	अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, राजस्थानी लोक अवनद्ध वाद्यों के विशेष संदर्भ में	08
	(ब)	तबले के प्रमुख बाज– फर्रुखाबाद, बनारस, अजराड़ा	
4.		जीवनियाँ एवं योगदान – पुरुषोत्तम दास परवावजी, रामशंकर पागलदास, पंडित चतुरलाल, पंडित अनोखेलाल, अहमद जान थिरकवा	03
5.		वाद्य वर्णन – अपने वाद्य का सचित्र वर्णन	03

(इ) ताल वाद्य

तबला/पखावज (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र पूर्णांक : 70

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	विद्यार्थी की इच्छानुसार किसी भी ताल का विस्तृत वादन :– उठान, पेशकार, कायदा, गत, परन, रेला, चक्करदार तिहाई युक्त	20
2.	बिन्दु एक के अतिरिक्त किसी ताल में – पेशकार, कायदा, गत व तिहाई का प्रदर्शन	15
3.	पाठ्यक्रम की तालों को ठेका दुगुन चौगुन व आड़ी लय में बजाना	10

4.	अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान	05
5.	विभिन्न तालों के लहरों के साथ संगत अभ्यास	10
6.	ताल की विभिन्न वादन रचनाओं की पढ़न्त व हाथ से ताल प्रदर्शन	10

(ई) कथक नृत्य (सैद्धान्तिक)

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 24**

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक	1. नृत्य के शास्त्रीय व प्रायोगिक पक्ष का ज्ञान	06
	2. कथक का इतिहास शैलीगत भेद व व्यक्तित्व अध्ययन	09
	3. लोक व शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन।	06
	4. ताल अध्ययन।	03
क्रियात्मक	1. मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास का परीक्षण	45
	2. विषय की गहनता की जांच	15
	3. अन्य शैली का ज्ञान	10

क्र.सं.		पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	(अ)	परिभाषाएं– नृत्त, नृत्य, नाट्य, तांडव, लास्य, चतुर्विध– अभिनय, प्रमलु संयुक्त हस्त मुद्रा	06
	(ब)	ठुमरी, भजन, चतुरंग, तराना–गीत शैलियों का ज्ञान	
2.	(अ)	कत्थक नृत्य का संक्षिप्त इतिहास	06
	(ब)	लखनऊ व जयपुर घराने का तुलनात्मक अध्ययन	
3.		नृत्यकारों की जीवनियां– पं. अच्छन महाराज, पं. जयलाल जी, पं. कुंदनलाल गंगानी, पं. गोपीकृष्ण	03
4.	(अ)	शास्त्रीय नृत्य शैलियों का ज्ञान– कथकलि, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, सत्रिया	06
	(ब)	राजस्थानी लोक नृत्य– गैर नृत्य कच्छीघोड़ी, कालबेलिया	
5.		तालों को दुगुन व चौगुन, में लिखने का ज्ञान तीव्रा, झपताल, इकताल, धमार, पंजाबी, त्रिताल	03

(ई) कथक नृत्य (क्रियात्मक)

समय– 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

1.	त्रिताल व झपताल में हस्तकों सहित – 2 ठाठ, 1 सलामी, 1 आमद, चक्करदार तोड़े सहित	20
2.	मुख्य प्रस्तुति– ठाठ, आमद, वंदना, तोड़ा/टुकड़ा, गत निकास, परण, तिहाई, पढंत प्रदर्शन सहित त्रिताल, झपताल व इकताल में लहरे का ज्ञान	25
3.	पाठ्यक्रम की तालों की प्रस्तुति– दुगुन व चौगुन में	05
4.	लोक नृत्य की प्रस्तुति।	10
5.	विशेष भाव पक्ष – मुख मुद्रा व अंग प्रत्यंगों द्वारा भावपूर्ण प्रदर्शन तत्कार – पदाघातों (Footwork) में कुशलता व सफाई लय पक्ष – नृत्य के किसी भी भाग में लय अधिकार	10

निर्धारित पुस्तक–

स्वर विहार– संगीत कक्षा–12 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

BOARD ZONE
BSER